

जबलपुर, गुरुवार 6 अगस्त 2026

login : www.haribhoomi.com

जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सेन समाज की बैठक हुई संपन्न, निश्चित अवधि में ही होगा चुनाव



छिंदवाड़ा : सेन समाज की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय सेन समाज भवन प्रांगण में मंगलवार को वरिष्ठ संरक्षक जगदीश श्रीवास्त की अध्यक्षता में व सभी वरिष्ठ संरक्षक ब्लांक अध्यक्ष ओर जिला स्तरीय पदाधिकारियों की गारिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई।यह जानकारी देते हुए पवन बंदेवार व नगर अध्यक्ष चंदन बंदेवार ने बताया कि जिला छिंदवाड़ा सेन समाज के जिलाध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा की गई जिसमें समाज के वरिष्ठ संरक्षक ने साथ ही जिले भर से आये पदाधिकारियों ब्लांक अध्यक्षों ने एक स्तर में जिला अध्यक्ष का चुनाव कराने के लिए सहमति प्रदान की।हेमंत बंदेवार व अंकित बंदेवार ने बताया कि छिंदवाड़ा शहर में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा व ब्लॉक स्तर गठन कार्यकारणी की सूची बुलाकर चुनावी प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा साथ ही चुनाव को लेकर शीघ्र ही वरिष्ठ संरक्षकों के साथ साथ ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा दिए गए नाम को जोड़ कर कोर कमिटी एवं चुनाव आयोग का गठन किया जाएगा जो जिला अध्यक्ष जिला युवा अध्यक्ष और महिला अध्यक्ष का समिति के माध्यम चुनाव संपन्न कराया जाएगा साथ ही चुनाव तय सीमा में ही संपन्न कराया जाएगा।इस अवसर सभी वरिष्ठ संरक्षक ब्लांक अध्यक्षों व पदाधिकारियों चुनाव ने को संवैधानिक तरीके व निष्पक्ष रूप हो जिसकी लेकर अपने अपने विचार रखे।बैठक में बंटी श्रीवास रवि राजनकर ने बड़ी संख्या में उपस्थित सभी वरिष्ठ संरक्षक जिला स्तरीय पदाधिकारियों व ब्लॉक अध्यक्षों का व समाजिक बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के गौसेवक मैत्री ने मनाया गौसेवक मैत्री मित्रता दिवस



छिन्दवाड़ा:- मित्रता दिवस के अवसर पर षष्ठी माता मंदिर में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के गौसेवक मैत्री ने गौसेवक मैत्री मित्रता दिवस मनाया और बीजेपी कार्यालय पहुंचकर जिलाध्यक्ष शेषराव यादव को आने वाली 7 अगस्त को छिन्दवाड़ा में मुख्यमंत्री आगमन पर गौसेवक मैत्री को मिलाने के लिये आवेदन को बीजेपी कार्यालय छिन्दवाड़ा में दिया गया एवं सांसद कार्यालय छिन्दवाड़ा में भी अपनी मांगों गौसेवक मैत्री को हर माह मानदेय दिलाने के लिये मुख्यमंत्री से गौसेवक मैत्री के पदाधिकारियों को मिलाने के लिये ज्ञापन सौंपा । इस समय पशुपालन विभाग माननीय मुख्यमंत्री जी के पास ही है एवं प्रमुख सचिव का प्रसार दिया जाता है। कर्ह बार ग्राम पंचायत में नियुक्ति करने के लिये व प्रतिमाह मानदेय देने के लिये ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक कुमार हुनकर ,ब्लॉक अध्यक्ष कवितलाल धुर्वे ,अजय डिगरसे ,अजय वर्मा ,रामेश्वर साहू , हंसराज वर्मा, चन्द्रभान वर्मा इत्यादि सैकड़ों गौसेवक मैत्री उपस्थित थे ।

पांडुर्णा | सौंसर | चौरई | बिछुआ | परासिया | जुन्नारदेव | अमरवाड़ा | हरई

नवरीटोला में वन विभाग की देर रात दबिशा, पका हुआ मांस और हथियार जब्त, मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी

जंगली सुअर के शिकार का भंडाफोड़, चार आरोपी जेल भेजे गए

हरिभूमि न्यूज़ ►► तामिया

पश्चिम वनमंडल छिंदवाड़ा के तामिया वन परिक्षेत्र की टीम ने अवैध शिकार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जंगली सुअर के शिकार के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। वन विभाग की यह कार्रवाई ग्राम नवरीटोला में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर देर रात की गई।

वन विभाग के अनुसार 4 अगस्त की रात करीब 12:10 बजे परिक्षेत्र अधिकारी गुरुदयाल साहू के नेतृत्व में कुआंबादला सर्कल एवं भांडी बीट के वन अमले ने नवरीटोला में दबिशा दी। वन अधिकारियों के अनुसार पृष्ठताछ में चारों आरोपियों ने जंगली सुअर का शिकार करना स्वीकार



किया। इसके बाद वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर 5 अगस्त को सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से

माननीय न्यायाधीश सुश्री पूजा मौर्या ने चारों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। वन विभाग ने बताया कि मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच जारी है। वन विभाग ने आम

नागरिकों से वन्यजीवों के अवैध शिकार एवं तस्करी की सूचना तत्काल नजदीकी वन कार्यालय को देने की अपील करते हुए कहा है कि वन्यजीवों का संरक्षण सभी की

15 घंटे नो एंट्री से पांडुर्णा के व्यापार पर मंडराया संकट

व्यापारियों और ट्रांसपोर्ट यूनियन ने विधायक के नेतृत्व में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ ►► पांडुर्णा

प्रशासन द्वारा शहर में लागू की गई रोजाना 15 घंटे की सख्त 'नो एंट्री' अब स्थानीय व्यापारी और अर्थव्यवस्था के लिए जी का जंजाल बन गई है। सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर लगी पाबंदी के विरोध में आज 5 अगस्त को ट्रांसपोर्ट यूनियन और स्थानीय व्यापारियों ने विधायक निलेश उर्डेके के नेतृत्व में लामबंद होकर कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। व्यापारियों का स्पष्ट कहना है कि यदि दिन भर शहर में माल ही नहीं पहुंचेगा, तो व्यापार पूरी तरह ठप हो जाएगा।

रात 9 बजे के बाद कैसे होगा काम: कलेक्टर को दिए ज्ञापन में व्यापारियों ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि एक सामान्य व्यापारी सुबह 9 बजे से रात 9 बजे

तक हाड़-तोड़ मेहनत करता है। इसके बाद रात में वाहनों से माल अनलोड कराना किसी भी लिहाज से संभव नहीं है। व्यापारियों ने तर्क दिया कि दुकानों और गोदामों में काम करने वाले हमाल भी दिन भर कड़ी मशक्कत के बाद शाम को अपने घर लौट जाते हैं। ऐसे में रात 9 बजे के बाद माल उतारने के लिए मजदूर मिलना नामुमकिन हो गया है। व्यापारियों ने यह भी ध्यान दिलाया कि पड़ोस के जिलों में भी प्रशासन ने व्यापारियों और आम जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इतने कड़े नियम लागू नहीं किए हैं। **रोजमर्रा की सप्लाई प्रभावित, आम जनता भी परेशान:** सख्त नो एंट्री के कारण न केवल व्यापारियों की भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, बल्कि शहर में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन भी बुरी तरह चरमरा गई है।

जुन्नारदेव स्ट्रीट लाइट घोटाला: दो माह बाद भी कार्रवाई शून्य, अब SIT जांच की उठी मांग

करोड़ों की अनियमितताओं पर प्रशासन कटघरे में

हरिभूमि न्यूज़ ►► छिंदवाड़ा

जनपद पंचायत जुन्नारदेव में स्ट्रीट लाइट कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जनसुनवाई में शिकायत दर्ज होने के करीब दो माह बाद भी प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच जनपद अध्यक्ष श्रीमती सविता अशोक भोसम ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की विशेष जांच दल (SIT) से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार स्ट्रीट लाइट कार्यों में बिना विधिवत वर्क ऑर्डर जारी किए तथा बिना भौतिक सत्यापन के लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया। आरोप है कि कार्यों की वास्तविक स्थिति की जांच किए बिना ही भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी गई, जिससे सरकारी राशि के दुरुपयोग की आशंका गहरा गई है।

मामले में यह भी आरोप लगाया गया है कि सुपरविजन चार्ज का भुगतान करने के लिए ग्रामीण विकास निधि तथा अंत्येष्टि सहायता (कफन-दफन) जैसी योजनाओं की राशि का नियमों के विपरीत उपयोग किया गया। वहीं वर्ष 2025-26 में हुकिंग एवं अवैध बिजली कनेक्शन



के 43 मामलों में लगाए गए लगभग 32 लाख रुपये के जुर्माने का भुगतान भी ग्राम पंचायत की विकास निधि से किए जाने का आरोप है। शिकायत में उल्लेख है कि वर्ष 2021 से अब तक ऐसे जुर्मानों की कुल राशि लगभग 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि सामान्य सभा में प्रस्तुत जानकारी और ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज वर्क आईडी के बीच गंभीर विसंगतियां पाई गई हैं। करहेया सहित कई ग्राम पंचायतों में एक ही स्वीकृत कार्य के लिए एक से अधिक वर्क आईडी बनाए जाने की बात सामने आई है, जिससे फर्जीवाड़े की आशंका और मजबूत हो गई है।

आरोप यह भी है कि इसी प्रकार की अनियमितताएं परासिया विकासखंड के उमरेठ और बड़कुही वितरण केंद्रों में भी सामने आई हैं। जनसुनवाई शिकायत क्रमांक 676376/171 दर्ज होने के

एसआईटी की जांच की मांग

जनपद अध्यक्ष श्रीमती सविता अशोक भोसम ने कलेक्टर से मांग की है कि जुन्नारदेव एवं परासिया विकासखंड के सभी स्ट्रीट लाइट कार्यों की **SIT** से जांच कराई जाए, प्रत्येक कार्य का तकनीकी एवं वित्तीय ऑडिट कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर उन्हें जांच पूरी होने तक पद से पृथक किया जाए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पत्र क्रमांक वा.वि.वि./2025/16261, भोपाल, दिनांक 08 सितंबर 2025 का हवाला देते हुए कहा कि अधिभार एवं जुर्माने के भुगतान की जिम्मेदारी संबंधित सरपंच-सचिवों की निर्धारित है। ऐसे में बिजली विभाग द्वारा लगाए गए जुर्मानों की राशि की वसूली भी जिम्मेदार व्यक्तियों से की जानी चाहिए, न कि ग्राम पंचायत की विकास निधि से। अब पूरे मामले में प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

बावजूद दो माह बीत जाने पर न तो कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया गया और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसे लेकर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

प्रीमियम कट रहा, किसानों को न पॉलिसी बॉन्ड मिला, न कंपनी का पता

पांडुर्णा। एक तरफ आसमान से बरसती आफत और दूसरी तरफ सिस्टम की बरखी इन दोनों के बीच पिस रहा है पांडुर्णा का अन्नदाता। बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा किसानों के खातों से फसल बीमा का प्रीमियम तो हर साल ऐन वक्त पर काट लिया जाता है, लेकिन बीमा किस कंपनी ने किया है, इसका कोई अता-पता किसानों को नहीं होता। न हाथ में पॉलिसी बॉन्ड, न कोई पावती और न ही कंपनी का नाम। सवाल यह उठता है कि क्या फसल बीमा योजना का फायदा किसानों को देने के लिए बनाया गया है या सिर्फ बीमा कंपनियों की जेबें भरने के लिए?

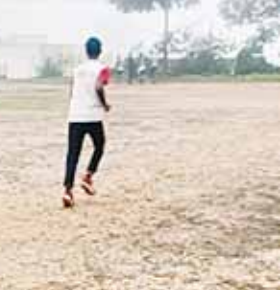
इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे को लेकर जवाहर वार्ड पार्षद दुर्गेश उर्डेके ने कलेक्टर कार्यालय में तीखी शिकायत दर्ज कराते हुए व्यवस्था को आड़े हाथों लिया है और जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई की मांग की है।

अंबाड़ा आदिवासी आश्रम में मरम्मत पर लाखों खर्च, भवन फिर भी जर्जर

हरिभूमि न्यूज़ ►► छिंदवाड़ा

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित आदिवासी बालक आश्रम अंबाड़ा में कराए गए मरम्मत कार्यों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि पिछले दो वर्षों में भवन की मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन आश्रम की स्थिति आज भी बदहाल बनी हुई है। भवन की छत, शौचालय और अन्य हिस्सों की हालत देखकर स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

स्थानीय शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आश्रम में एक वर्ष पूर्व भी मरम्मत कार्यों के लिए लगभग



मदों में किया गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ वर्ष पूर्व खेल मैदान और परिसर के विकास के नाम पर लगभग 87 लाख रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन उसका लाभ खिलाड़ियों तक नहीं पहुंचा।

सबसे चिंताजनक स्थिति खेल मैदान की बताई जा रही है। मैदान पर आज भी गिट्टी बिखरी हुई है, जिससे खिलाड़ी केवल दौड़ लगाने और सामान्य व्यायाम तक ही सीमित हैं। एथलेटिक्स सहित अन्य खेलों के अभ्यास के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। कई खिलाड़ियों के पास खेल जूते तक नहीं हैं और वे नंगे पैर गिट्टी से भरे

मैदान पर अभ्यास करने को मजबूर हैं। इससे कभी भी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

बास्केटबॉल कोर्ट की स्थिति भी कम खराब नहीं है। आरोप है कि निर्माण के कुछ समय बाद ही कोर्ट उखड़ने लगा और उसकी सतह पर गिट्टी निकल आई। खिलाड़ी अभ्यास के दौरान चोटिल होने के जोखिम के बीच खेल रहे हैं। इसी प्रकार अन्य खेल सुविधाओं का भी समुचित विकास नहीं हो पाया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि खेल मैदान, बास्केटबॉल कोर्ट, खो-खो कोर्ट और अन्य निर्माण कार्यों का स्वतंत्र तकनीकी एंजेंसी जांच कराई जाए, तो निर्माण कार्यों में हुई कथित अनियमितताएं उजागर हो सकती हैं। उनका आरोप है कि तकनीकी अमले द्वारा फर्जी मूल्यांकन के आधार पर ठेकेदारों को भुगतान किया गया, जबकि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरती।

खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, निर्माण कार्यों का तकनीकी ऑडिट कराया जाए तथा यदि वित्तीय अनियमितता और गुणवत्ता में लापरवाही सिद्ध होती है तो संबंधित अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि सरकार खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार नहीं रुका तो सबसे बड़ा नुकसान प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं को ही होगा।

शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जिला मुख्यालय में अटैच किए गए सभी शिक्षकों की सूची सार्वजनिक की जाए और नियमों के विपरीत किए गए अटैचमेंट तत्काल समाप्त किए जाएं। उनका आरोप है कि कुछ प्रभावशाली कर्मचारियों को वर्षों से जिला मुख्यालय में बनाए रखा गया है, जबकि दूरस्थ स्कूलों में विद्यार्थियों को पढ़ाने वाला कोई नहीं

है। ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का आरोप है कि जिला मुख्यालय में वर्षों से अटैचमेंट का खेल चल रहा है। जिन शिक्षकों की नियुक्ति दूरस्थ स्कूलों में विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए की गई थी, वे विभागीय कार्यालयों और जिला मुख्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। इससे आदिवासी अंचल के स्कूलों में शिक्षकों का



25 से 30 लाख रुपये तक का भुगतान किया गया था। इसके बाद भी भवन की जर्जर स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार दिखाई नहीं देता। उनका सवाल है कि यदि इतनी बड़ी राशि खर्च की गई, तो उसका परिणाम जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा है। मामले में सबसे बड़ा आरोप यह लगाया जा रहा है कि कई कार्यों

हैं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पहले मरम्मत कार्य होने के बाद उसी भवन में पुनः दूसरे ठेकेदार को काम सौंपा गया और लाखों रुपये का भुगतान किया गया। आरोपों के केंद्र में विभाग के सहायक यंत्री दीपक सरैयाम तथा ठेकेदार असलम खान का नाम लिया गया है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित पक्षों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। आश्रम की वर्तमान स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। उनका कहना है कि भवन कई स्थानों से क्षतिग्रस्त है और छात्र आन भी असुरक्षित वातावरण में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। सबसे गंभीर सवाल यह है कि जब नए भवन का टेंडर पहले ही हो चुका है और निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, तब पुराने जर्जर भवन पर बार-बार मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये खर्च करने का औचित्य क्या है। शिकायतकर्ता योगेश राय ने पूरे प्रकरण में वित्तीय अनियमितता और गुणवत्ता में गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उन्होंने मांग की है कि पिछले दो वर्षों में कराए गए सभी मरम्मत कार्यों का स्वतंत्र तकनीकी दल से भौतिक सत्यापन कराया जाए। साथ ही माप पुरिस्तका (एमबी), भाग आदेश, बिल-वाउचर, भुगतान संबंधी दस्तावेज और गुणवत्ता की विस्तृत जांच कराई जाए।स



जामसांवली मंदिर संस्थान को मिला रिकॉर्ड 2.12 करोड़ का राजस्व

हनुमान लोक दुकानों की नीलामी के पहले दिन उमड़ी मीड़, नियम से हो रही कमरों की नीलामी गुरुवार को जारी रहेगी



हरिभूमि न्यूज ॥सौसर

बुधवार को चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर संस्थान (हनुमान लोक) परिसर में हनुमान लोक परियोजना के तहत नवनिर्मित व्यावसायिक दुकानों की सार्वजनिक खुली नीलामी प्रक्रिया का बुधवार को भव्य शुभारंभ हुआ।

पहले दिन व्यापारियों और क्षेत्रवासियों में

जबरदस्त उत्साह देखा गया, जहाँ श्रेणी 'A' की दुकानों के लिए ऑफसेट मूल्य (6.75 लाख रुपए) से दोगुनी से अधिक की उच्चतम बोलियां प्राप्त हुईं।

नपा के प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूर्ण पारदर्शिता के साथ हुई इस नीलामी प्रक्रिया की डिजिटल वीडियोग्राफी भी कराई गई। पहले दिन 62 दुकानों के लिए टोकन

बांटे गए, जिनमें से श्रेणी 'ए' की 16 दुकानों की नीलामी पूरी हुई।प्रमुख उच्चतम बोलियाँ में दुकान नं. 19: श्रीमती शुभांगी भोयर (पारडसिंगा) - 16.50 लाख,दुकान नं. 28:जयदेव बोबड़े (धोतकी) - 14.30 लाख दुकान नं. 20 रोशन बरडे (कढ़ेय्या) - 14.10 लाख, दुकान नं. 27: श्री विठ्ठल बोबड़े (सावली) - 13.90 लाख,दुकान नं. 17: श्री चिंतामण दाँडवे (सौसर) - 13.80 लाख, दुकान नंबर 18, 23 लाख 20 हजार में बिकी,इसके अलावा अन्य दुकानों के लिए भी 12 लाख से अधिक की बोलियां लगाई गईं।

प्रथम दिवस की नीलामी से मंदिर संस्थान को 2 करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपए का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त हुआ है। इस दौरान मंदिर संस्थान अध्यक्ष गोपाल शर्मा, सीएमओ सौसर मौसम पालेवर,मंदिर ट्रस्टी टीकाराम कारोकार, अड़ अजय धवले,मोहन ताजने,दिलीप बत्रा,राजू बाविस्टाले, नपा राजस्व अधिकारी रमन बागड़ सहित नीलामी समिति के सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

नपा अध्यक्ष ने सड़क के लिए तुड़वाई अपने घर की बाउंड्रीवाल



सौसर। विकास कार्यों में जनहित को सर्वोपरि रखते हुए सौसर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुरेखा इंदरचंद डागा ने एक अनुकरणीय और प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। गफूर कॉलोनी मार्ग के चौड़ीकरण कार्य में बाधा बन रही अपने ही मकान की बाउंड्रीवाल को उन्होंने सबसे पहले स्वयं तुड़वाकर यह संदेश दिया है कि जनहित सर्वोपरि है। नगरपालिका द्वारा कुमार साइकिल स्टोर से टोला तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू किया जा रहा है। यह मार्ग लंबे समय से संकरा होने के कारण यातायात, आम नागरिकों के आवागमन और आपातकालीन सेवाओं में बड़ी बाधा बना हुआ था। इस चौड़ाई के बढ़ने से क्षेत्र के हजारों नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात की सुगति मिलेगी।

अध्यक्ष सुरेखा डागा द्वारा की गई इस पहल की क्षेत्रवासियों ने दिल से सराहना की है। स्थानीय नागरिकों का मानना ​​है कि जब कोई जनप्रतिनिधि खुद आगे बढ़कर विकास कार्यों के लिए त्याग करता है, तो इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है और जनता का सहयोग भी स्वतः बढ़ता है।

पेंशनधारियों को पेंशन नहीं मिलने से नाराज नगर पालिका अध्यक्ष धरने पर बैठे



बड़कुही / परसिया - बड़कुही नगर पालिका क्षेत्र में पेंशन धारियों को पेंशन योजना की राशि समय पर नहीं मिलने से नाराजगी बढ़ गई है। जिसके विरोध में बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष भरत डेहरिया अपने समर्थकों और हितवाहियों के साथ नगर के मुख्य स्थल पर धरने पर बैठ गए। 3-4 महीने से रुकती है पेंशन: धरने का नेतृत्व कर रहे अध्यक्ष ने बताया , कि क्षेत्र के वृद्धवस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन हितवाहियों की राशि पिछले 3 से 4 महीने से लंबित है। कई बार अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायत की गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। नारे लगाकर जताया विरोध : धरना स्थल पर पेंशन दों, अत्याय नहीं सहेंगे, अष्ट तंत्र मुद्दाबाद के नारे गूँजे। एक बुजुर्ग ने कहा, कि - द्वाड़ और राशन के लिए पैसे नहीं हैं। अब भूख मरने की नीबल आ गई है। इस धरना प्रदर्शन में विधायक सोहन वाल्मीकि भी शामिल हुए , उन्होंने भी सरकार की इस असवेदनशीलता पर सवाल उठाए ।

बोल बम सेवा समिति द्वारा देवनदी देवगांव से कोटेश्वर के लिए कांवड़ यात्रा 10 को

हरिभूमि न्यूज किरनपुार।

बोल बम सेवा समिति देवगांव के सदस्यों द्वारा देवनदी देवगांव से कोटेश्वर महादेव सावन माह के दुसरे सोमवार 10 जुलाई को वार्षिक कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। मंगलवार को मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। सुबह 5 बजे देवनदी से सैकड़ों के संख्या में श्रद्धालु कावड़ लेकर पैदल यात्रा शुरू करेंगे। 08 बजे मां किर्नाई मंदिर किरानपुर में महाप्रसादी लेकर लांजी कोटेश्वर महादेव जल लेकर कावड़ यात्रा पहुंचेंगी। बैड-बाजे, ढोल-ताशे, भजन गायक, नृत्य मंडली और पारंपरिक झांकियां शामिल रहेंगी। यात्रा मार्ग पर कुछ स्थानों पर प्रसादी वितरण होगा। कई मंचों से फूलों की वर्षा से स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन महाआरती और महाप्रसादी के साथ होगा। बोल बम सेवा समिति देवगांव के सदस्यों जिसमें के बी राहंगडाले,



अनिल चित्रीव, केशोगाव तिलासे, महादेव बागडे, हरिश्चंद्र दौनोडे, दलपत रहागडाले, हीरालाल रहागडाले, धनलाल बेलेकर, प्रेमलाल पन्डे, दिलीप बोहरे, मंगरु टेकाम, सोहनलाल रहागडाले, भैया लाल बेलेकर और भी अन्य सदस्यों ने बताया कि यह कावड़ यात्रा पिछले 15 वर्षों से निकाला जा रहा है। इस अवसर पर पूरा नगर सजाया जाएगा।

विधायक विवेक पटेल ने संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण ठेकेदार ने ग्राम बिटोडी और डोके के मध्य बनने वाले पुलिया का निर्माण कार्य किया अधूरा

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिटोडी और डोके के मध्य लगभग 30 लाख रुपयों की लागत से नवीन पुलिया का निर्माण किया गया है।मगर पुलिया का निर्माण करने के बाद ठेकेदार पुलिया के दोनों ओर एप्रोज सड़क बनाना भूल गया।जिससे बारिश के समय स्कूल के छात्र-छात्राएं और ग्रामीणजन हादसे का शिकार हो रहे है।जिससे ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है।ठेकेदार को ग्रामीणों द्वारा एप्रोज सड़क बनवाने के लिए बार-बार निर्देशित किया गया।मगर ठेकेदार इसे अनदेखी ही करता रहा।जिसके बाद विधायक विवेक विक्की पटेल ने ग्रामीणोंजनों,ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।और ठेकेदार को जमकर फटकार लगाते हुए जल्द दोनों ओर एप्रोज सड़क बनवाने के निर्देश दिए।इस दौरान सब इंजीनियर किरण गजभिए,सरपंच खुमेंद्र मड़ावी,खुपचंद बिसेन,यादौराव बिसेन,राजेश पटले,दुलीचंद



पटले, उमेश पटेल,तिशांक पटले,शत्रुघ्न पटले,राजकुमार चौधरी,संदेश बिसेन सहित ग्रामीणोंजन मौजूद रहे।

ग्राम बिटोडी निवासी पूर्व सरपंच तेजराम नगपुरे ने कहा कि ठेकेदार ने जब से पुलिया का कार्य प्रारंभ किया गया था।तभी से उसका काम ना ही समय सीमा के पूर्ण किया गया।बारिश के पूर्व उसे कई बार पुलिया के दोनों ओर एप्रोज सड़क बनवाने बोला गया। मगर उसने किसी भी ग्रामीणजन की बातों को नहीं सुना।अभी बारिश का समय है।यहां से स्कूलो के बच्चों के साथ ही वाहन का आवागमन होता है।और रोज कीचड़ में

वाहन फंस रहे है।है।हमने विधायक और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलवाकर चेतावनी दी है।अगर 15 दिनों के भीतर एप्रोज सड़क नहीं बनवाई जाती तो ग्रामीणों द्वारा ठेकेदार के विरुद्ध आंदोलन किया जाएगा।जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

विवेक पटेल ने कहा कि विधायक बनने के बाद हमारे द्वारा लगातार संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात कर ग्राम पंचायत बिटोडी से डोके के मध्य नवीन पुलिया स्वीकृत हुआ था।जिसका निर्माण कुछ माह पूर्व पूर्ण हुआ।मगर ठेकेदार ने पुलिया के दोनों ओर एप्रोज सड़क बनवाना भूल गया।जिससे बारिश के समय हादसे हो रहे है।मैने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलवाकर जल्द अधूरा निर्माण कार्य करवाने के निर्देश दिए है।हमें अधिकारियों ने आश्चर्य किया है ठेकेदार अधूरा निर्माण कार्य को जल्द पूरा करेंगे।अन्यथा ग्रामीणों के साथ मै भी आंदोलन में शामिल रहूंगा।जिसकी जवाबदारी प्रशासन की होगी।

शिक्षा विभाग की अनुमति बिना पिपला में शासकीय स्कूल भवन तोड़े जाने पर गरमाई सियासत

एसडीएम से उच्च स्तरीय जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ॥सौसर

नगर परिषद पिपला नारायणवार द्वारा शिक्षा विभाग की पूर्व अनुमति के बिना एक शासकीय माध्यमिक विद्यालय के भवन को तोड़े जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस अवैध कार्रवाई के विरोध में संबंधित नप अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम), सौसर को एक औपचारिक शिकायत प्रस्तुत की गई है।

शिकायतकर्ता प्रविन माहेश्वरी आनंद चौहान ने आरोप लगाया है कि नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बिना किसी वैधानिक स्वीकृति के विद्यालय भवन का हिस्सा जमींदोज कर दिया। नियम के तहत किसी भी शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या तोड़ने से पहले संबंधित विभाग की अनुमति लेना अनिवार्य



होता है, लेकिन इस मामले में नियमों को ताक पर रख दिया गया। मामले में नया मोड़ तब आया जब इस गैरकानूनी कार्रवाई पर आपत्ति दर्ज कराई गई, जिसके बाद पिछले दरवाजे से शिक्षा विभाग से अनुमति लेने की प्रक्रिया शुरू की गई।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पहले भवन तोड़ना और बाद में अनुमति के लिए कागजी घोड़े दौड़ाना पूरी तरह प्रशासनिक नियमों के विपरीत है और यह लीपापोती की कोशिश को दर्शाता है। विवाद बढ़ता देख नगर परिषद ने जांच से पहले ही

माँ शीतला मंदिर की दान पेटी तोड़कर चोरी, 40 हजार रुपये पार, ग्रामीणों में रोष

4 साल की जमा दान राशि पर हाथ साफ, समिति ने लांजी थाने में दी शिकायत, जल्द गिरफ्तारी की मांग

हरिभूमि न्यूज लांजी। लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम थानेगांव स्थित प्राचीन माँ शीतला मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया है। अज्ञात चोरों ने मंदिर परिसर में रखी दान पेटी को तोड़कर उसमें रखी लगभग 35 से 40 हजार रुपये की राशि चुरा ली। घटना 3 अगस्त की बताई जा रही है। चोरी की खबर सामने आते ही गांव में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर पहुंच गए।

मंदिर समिति के सदस्यों के अनुसार दान पेटी में पिछले चार वर्षों से श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई राशि जमा की जा रही थी। हर दिन को तरह जब अगले दिन समिति के लोग मंदिर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि दान पेटी के ताले टूटे हुए हैं और अंदर रखी पूरी रकम गायब है। तुरंत इसकी सूचना गांव में दी गई। देखते ही देखते ग्रामीण बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर लांजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

मंदिर समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि धार्मिक स्थल जैसी पवित्र जगह को निशाना बनाकर चोरी की घटना से लोगों की आस्था को गहरी ठेस पहुंची है। समिति ने थाना लांजी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में समिति ने कहा कि चोरी गई राशि



श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास की कमाई है। समिति ने पुलिस से मांग की है कि मामले की गंभीरता से जांच कर जल्द से जल्द अज्ञात आरोपियों का पता लगाया जाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।ग्रामीणों ने भी पुलिस प्रशासन से मांग की है कि यदि समय रहते आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति हो सकती है।

लांजी थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत प्राप्त कर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में संभावित साक्ष्य जुटाना शुरू कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित की गई है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।फिलहाल पूरे गांव में इस घटना को लेकर चर्चा है। श्रद्धालु मंदिर में सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं ताकि आगे इस तरह की घरावत न हो।

शासकीय कॉलेज दमुआ में स्वास्थ्य मेला का आयोजन

दमुआ। शासकीय महाविद्यालय दमुआ में विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य जागरूकता की ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं आमजन को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रश्मि दास के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर ही सफलता की कुंजी है और ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है। स्वास्थ्य मेले में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं आवश्यक सुझाव प्रदान किए गए।मेले में डॉ. लाल पेंथोलॉजी से आए डॉक्टरों द्वारा परामर्श एवं विभिन्न प्रकार की जांच की गई, साथ ही अंखों की जांच भी की गई। इसके अतिरिक्त रक्तचाप, शुगर जांच, नेत्र परीक्षण सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई। साथ ही स्वच्छता, पोषण एवं जीवनशैली से संबंधित जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया।इसी क्रम में स्थानी चिकेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत विषय फिटनेस के 2 के अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया, जिसमें केलाथ सोने एवं आरोग्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके साथ ही, भविष्य में इस तरह की मनमानी रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी करने की भी अपील की गई है। यह मामला विद्यार्थियों के भविष्य और शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है, जिस पर क्षेत्रवासियों की निगाहें टिकी हैं।

वृक्षारोपण और रामभक्ति का अनूठा संगम: ग्राम पंचायत कोसमारा बनी क्षेत्र के लिए प्रेरणा

लांजी जनपद की कोसमारा पंचायत में दो दिन तक गूँजे राम के जयकारे, साथ में लगा हरियाली का संकल्प

हरिभूमि न्यूज लांजी। पर्यावरण बचाओ और संस्कृति बचाओ - इन दोनों संदेशों को एक साथ जमीन पर उतार कर जनपद पंचायत लांजी की ग्राम पंचायत कोसमारा ने पूरे जिले के सामने सामाजिक एकता और सामुदायिक भागीदारी की मिसाल पेश की है। यहां एक तरफ ढोल-नगाड़ों के साथ पूरे गांव में वृक्षारोपण अभियान चला, तो दूसरी तरफ दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ के साथ भक्ति का माहौल भी बना रहा।

मंगलवार और बुधवार को सरपंच, पंचगण और ग्रामीणों के नेतृत्व में ग्राम पंचायत के सार्वजनिक स्थलों, स्कूल परिसर, आंगनवाड़ी, पंचायत भवन और मुख्य मार्गों के किनारे छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ढोल-बाजों और नारेबाजी के साथ हुई। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी हाथों में पौधे और पानी लेकर जुटे। हर गली में हरफ कव्चित - एक पौधार का संदेश गुंजा। सरपंच और पंचों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर पौधे लगाए और

मधुमक्खी पालन जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन



जुन्नारदेव। नाबाई बैंक के दूरा जुन्नरदेव क्षेत्र के 04 गांव पाडर, पिंडरई, मुसनी और कट्ठा में मधुमक्खी पालन परियोजना का संचालन होना है, जिस हेतु चयनित ग्रामों में डीडीएम-नाबाई छिंदवाड़ा की स्वता सिंह के मार्गदर्शन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस मधुमक्खी पालन परियोजना से क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आजीविका को बढ़ाने का कार्य किया जायगा। जागरूकता कार्यक्रम में उक्त गतिविधियों का आयोजन किया गया। मधुमक्खी जागरूकता रथ का गांवों में गीत संगीत के साथ भ्रमण, नारेबाजी के साथ ग्राम स्तरीय जागरूकता रैली मधुमक्खी पालन के लिए नुकड़ नाटक का नर्तन और शपथ समारोह का आयोजन किया गया है। मधुमक्खी पालन जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य आदिवासी अंचलों में मधुमक्खियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए किसानों को प्रेरित करना है। जिससे मधुमक्खियों के पारम्परिक शिकार से बचाव एवं वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करना है। मधुमक्खी पालन कार्यक्रम से किसानों को होने वाले लाभों (पराजीकरण, शहद, मीम, जैवविविधता, पर्यावरण संरक्षण) को नवाचारी रोचक गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। जिससे किसानों को कम समय व लागत में अतिरिक्त सतत आय के साधन को बढ़ावा देना है। इस मधुमक्खी जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन में यूटीएसटी सोसायटी जुन्नारदेव की टीम से ओमप्रकाश पाठे, रेशमलाल डेहरिया, प्रदीप विश्वकर्मा, महेश यदुवंशी, राकेश यादव, करन राज भोपा, राहुल धुवे, संतलाल इवनाती की मुख्य भूमिका रही।

36 बालक-बालिका खिलाड़ी संभाग स्तरीय शालेय थांगता प्रतियोगिता के लिए चयनित



जुन्नारदेव। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में जिला स्तरीय शालेय थांगता मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन मंगलवार, 4 अगस्त को ज्ञान सागर पब्लिक स्कूल, जुन्नारदेव में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में पादुर्णा, सौसर, मोरखेड, चांदनगांव, छिंदवाड़ा, परसिया तथा मेजबाब जुन्नारदेव सहित जिले के विभिन्न विकासखंडों से लगभग 200 खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन एवं आयु वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों के उपरांत विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 36 खिलाड़ियों का चयन 17 से 19 अगस्त तक जबलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय शालेय थांगता मार्शल आर्ट प्रतियोगिता के लिए किया गया। प्रतियोगिता में परसिया विकासखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि रवि पौष्पांगक एवं उर्मिला तिवारी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में विद्यालय संचालक निखिलेश उपाध्याय, कर्तीत उपाध्याय, अंकित द्विवेदी, प्राचार्य अभिशिखा ठाकरे तथा पादुरणा थांगता जिला सदिय सदीप उड्डे के मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर वीणावादनी में सरस्वती एवं प्रतियोगिता परिना का पूजन-अर्चन कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा मधुर संगीत के साथ मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की गई,जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं गरिमायय हो उठा।

साथ ही उनकी देखरेख की शपथ भी दिलाई। ग्रामीणों ने कहा कि पौधा लगाना ही काफी नहीं, उसे पेड़ बनाना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसीलिए हर वार्ड में 2-2 ग्रामीणों की टोली बनाकर नियमित पानी देने और सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वृक्षारोपण के साथ-साथ गांव में 4 अगस्त से शुरू हुआ अखंड रामायण पाठ बुधवार 5 अगस्त को पूरे विधि-विधान से संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन और महाआरती के साथ दो दिनों तक चला यह आयोजन आस्था और एकता का केंद्र बना रहा।रामचरितमानस के पाठ में गांव की महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह से शाम तक चोपाल में राम कथा का श्रवण हुआ। समापन पर प्रसाद वितरण के बाद ग्रामीणों ने भगवान श्रीराम के आदर्श - मर्यादा, सेवा और त्याग - को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

उकवा में कावड़ यात्रा 10 को



उकवा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष सावन के इस पावन पर्व में 10 अगस्त दिन सोमवार को रेनजॉफिस चौक (उकवा) से बाबा मंडी धाम परसालोला(दूरी लगभग 16किलोमीटर) के लिए विशाल कावड़ का आयोजन किया जा रहा है। इस कावड़ यात्रा में भगवान भोलेनाथ एवं मां पार्वती की भव्य झांकियों के साथ कावड़ियों का स्वागत तिलक वंदन करके किया जाएगा। कृपया सभी भक्तजनों से निवेदन है कि सुबह 6 बजे रेनजॉफिस चौक (उकवा)में ज्यादा से ज्यादा कावड़िया एवं भक्तजन उपस्थिति होकर कावड़ यात्रा को सफल बनाएं।

खबर संक्षेप

रक्षाबंधन के अवसर पर प्रधान डाकघर सिवनी में विशेष राखी बुकिंग काउंटर, गंगाजल भी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज सिवनी। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर राखियों की बढ़ती डाक को ध्यान में रखते हुए प्रधान डाकघर सिवनी में विशेष राखी बुकिंग काउंटर संचालित किया जा रहा है। यह विशेष व्यवस्था 03 अगस्त से 27 अगस्त 2026 तक रविवार एवं अन्य अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। अधीक्षक डाकघर सिवनी ने बताया कि इस अवधि में ग्राहकों की सुविधा के लिए राखी डाक एवं पार्सल की बुकिंग हेतु अलग विशेष काउंटर संचालित किया जाएगा, जिससे लोगों को लंबी प्रतीक्षा का सामना न करना पड़े और उनकी राखियां समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। उन्होंने बताया कि सावन माह के अवसर पर प्रधान डाकघर सिवनी में श्रद्धालुओं के लिए गंगाजल का वितरण भी किया जाएगा। आमजन से अपील की गई है कि इस विशेष सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

अनुसूचित जनजाति युवाओं के लिए स्वरोजगार के लिए आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक-युवतियों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से म.प्र. आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले को दोनो योजनाओं में कुल 204 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के 34 तथा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के 170 हितग्राही शामिल हैं। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य ने बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत व्यवसाय, सेवा एवं उद्योग से संबंधित प्रकरण स्वीकृत किए जाएंगे। हितग्राहियों को इकाई लातार पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान का लाभ मिलेगा।

12 अगस्त को केवलारी आईटीआई में जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला होगा आयोजित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मोना के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षित बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार तथा स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 12 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक शासकीय आईटीआई (पलारी तिराहा) केवलारी में युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में देश एवं प्रदेश की विभिन्न निजी कंपनियों साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं का चयन करेगी। भर्ती प्रक्रिया के तहत ट्रेनी, मशीन ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, बीमा एजेंट, सेल्स एजीक्यूटिव, कॉल सेंटर ऑपरेटर सहित विभिन्न पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे अभ्यर्थी, जिन्होंने कक्षा 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई अथवा स्नातक उत्तीर्ण किया हो, वे अपने सम्पत्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन, अंकसूचियां तथा दो पासपोर्ट आकार के फोटो के साथ मेले में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं।

बरघाट में कराते बेल्ट परीक्षा संपन्न
बरघाट- शौर्य कराते ट्रेनिंग सेंटर बरघाट व जिला कराते संघ एवं शोतोकान कराते अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 04 अगस्त को कराते बेल्ट परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा शौर्य कराते ट्रेनिंग सेंटर के संचालक सेंसेई संस्कार पटेल एवं जिला कराते संघ के शिहान ओमकार कश्यप के निर्देशन में संपन्न हुई।

181 पर शिकायत से बौखलाए चिरचिरा सरपंच ने फोन लगाकर शिकायतकर्ता को दी धमकी, देवघाट स्नान घाट निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप

केशव राय धनोरा –जनपद पंचायत केवलारी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चिरचिरा से भ्रष्टाचार और दबंगई का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ के देवघाट में बन रहे स्नान घाट निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती जा रही है। जब इस घटिया निर्माण के खिलाफ एक जागरूक नागरिक ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) पर शिकायत दर्ज कराई, तो ग्राम पंचायत के सरपंच शिवकुमार नाग बौखला गए और उन्होंने शिकायतकर्ता को सीधे तौर पर धमकी दे डाली।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत का आरोप
सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, देवघाट पर चल रहा स्नान घाट का निर्माण कार्य पूरी तरह से मानकों को ताक पर रखकर किया जा रहा है। आरोप है कि सरपंच शिवकुमार नाग, सचिव शैलेंद्र ठाकुर और सब-इंजीनियर (उपयंत्री) सचिंद्र डेहरवाल की आपसी मिलीभगत और शह के कारण इस निर्माण कार्य में बेहद घटिया दर्जे की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। तकनीकी अधिकारियों की मौन स्वीकृति के चलते ठेकेदार बेखोफ होकर नियमों की धजियां उड़ा रहा है।

पूर्व सांसद के प्रयासों से नैनपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण को मिली स्वीकृति

केवलारी। लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। नैनपुर स्थित सिवनी–मंडला राजमार्ग के रेलवे क्रॉसिंग क्रमांक जीजे-91 पर ओवरब्रिज निर्माण की स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना से क्षेत्रवासियों को रेलवे फाटक पर लगने वाले लंबे जाम और आवागमन की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। ज्ञात हो कि नैनपुर जंक्शन पर चारों दिशाओं से ट्रेनों की आवाजाही होने के कारण रेलवे फाटक अधिकांश समय बंद रहता था। कई बार यात्रियों की ट्रेन तक झूट जाती थी तथा एम्बुलेंस एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को भी कठिनाई का सामना करना पड़ता था। ब्रॉडगेज शुरू होने के बाद से ही स्थानीय नागरिकों द्वारा ओवरब्रिज निर्माण की मांग लगातार की जा रही थी। बताया जाता है कि रेलवे एक्टिविस्ट अथर्व सिंह ने तत्कालीन सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन से इस संबंध में चर्चा कर रेल मंत्रालय के समक्ष ओवरब्रिज निर्माण का प्रस्ताव रखने का आग्रह किया था। लगतार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप अब इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति मिल गई है। स्वीकृति के बाद दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नैनपुर के सेशन इंजीनियर (गति शक्ति) द्वारा कार्य प्रारंभ करने के लिए आदेश जारी कर दिया गया है। जारी निर्देशों के अनुसार रेलवे क्रॉसिंग पर बनने वाले ओवरब्रिज का निर्माण मंडला दिशा में लगभग 400 मीटर तथा सिवनी दिशा में लगभग 700 मीटर तक किया जाएगा। ओवरब्रिज के निर्माण से नैनपुर नगर सहित सिवनी, मंडला और आसपास के क्षेत्रों के हजारों नागरिकों को निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही यातायात जाम और समय की बर्बादी जैसी समस्याओं से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वरिष्ठ नागरिक ने किया पौधरोपण

सोनखार (प्रदीप तिवारी)। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत सोनखार में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व वन समिति अध्यक्ष तोपसिंह देशमुख ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में दुधिया उपवन परिक्षेत्र अधिकारी गीताराम वर्मा ने पौधरोपण में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। वहीं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मेघराज टेम्बे, रामराव पटले एवं चारुदत्त देशमुख भी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाई। उपस्थित नागरिकों ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने का संकल्प है। सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प भी लिया।



मात्रधाम रेलवे स्टॉपेज की 21वीं वर्षगाँठ एवं 22वा महोत्सव बड़े धूम धाम के साथ मनाया गया

हरिभूमि न्यूज सिवनी। किसान संघर्ष समिति के तत्वावधान में हमेशा की तरह इस बार भी मात्रधाम रेलवे स्टॉपेज की 21वीं वर्षगाँठ एवं 22वा महोत्सव बड़े धूम धाम के साथ मनाया गया । सर्व प्रथम छिंदवाड़ा से मंडला फाँट रेल गाड़ी क 58823 सुबह 8.30पर मात्रधाम पहुँची जिसका पंडित धर्मवीर अजित तिवारी मात्रधाम मंदिर के प्रमारी जिनकी उपस्थिति में विधि विधान के साथ पूजा माला, पूजा प्रसाद वंदन किया गया साथ ही रेत चालकर रेल परिवालक, एवं जी आर पी पुलिस साथ ही रेलवे से संबंधित अधिकारी गणों का स्वागत सम्मान फूल माला ,अंग वस्त्र,तिलक लगाकर एवं प्रसाद देकर किया गया। जिसमेदार अधिकारी को स्टॉपेज की समस्याओं से भी डा राजकुमार सनोडिया ने आवात करचा। तद्पुर्वाक्त स्टॉपेज परिसर में वृक्षारोपड़ किया गया।ह्रस्के

फसल बीमा योजना के जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर कलेक्टर ने किया रवाना

जागरूकता वाहन द्वारा विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर किसानों दी जायेगी योजना की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ॥सिवनी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ मौसम 2026 में अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने और प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मोना ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन जिले के विभिन्न विकासखंडों, ग्राम पंचायतों एवं गांवों में भ्रमण कर किसानों को योजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगा तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर फसल बीमा कराने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नेहा मोना

ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए प्राकृतिक जोखिमों से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए प्रत्येक पात्र किसान तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराएं। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ मौसम 2026 की अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर

15 अगस्त 2026 कर दी गई है। पूर्व में यह तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी। मध्यप्रदेश शासन ने अलनौनो के प्रभाव से संभावित प्रतिकूल मौसम एवं फसल नुकसान की आशंका को देखते हुए किसानों की सुविधा के लिए बीमा अवधि में वृद्धि की है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत सभी ऋणी एवं बैर-ऋणी किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा कराकर अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, ओलावृष्टि, प्राकृतिक आपदाओं, कीट एवं रोगों से होने वाली फसल क्षति की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं। योजना के तहत धान (सिंचित) के लिए किसान प्रीमियम 1004 रुपये, धान (असिंचित) 680 रुपये, मक्का 740 रुपये, उड़द 564 रुपये तथा सोयाबीन 758 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित किया गया है।



सरपंच ने कबूली ठेकेदारी की बात

इस पूरे मामले में एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। खुद सरपंच शिवकुमार नाग ने यह बात स्वीकार की है कि उन्होंने स्नान घाट निर्माण कार्य का

जिम्मा एक निजी ठेकेदार को सौंप रखा है। नियमतः पंचायत के निर्माण कार्यों को स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता के साथ कराया जाना चाहिए, लेकिन यहाँ ठेका प्रथा के जरिए मलाई बांटने का खेल चल रहा है।

शिकायत दबाने का प्रयास

शासन की योजनाओं और जनता के पैसे का दुरुपयोग रोकने के लिए जब शिकायतकर्ता ने 181 का सहारा लिया, तो सरपंच ने सुधार करने के बजाय शिकायतकर्ता को ही डराना-धमकाना शुरू कर दिया। सरपंच को इस धमकी के बाद से क्षेत्र के अन्य ग्रामीणों में भी आक्रोश है। ग्रामीणों ने अब जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने, घटिया निर्माण करवाने और धमकी देने वाले सरपंच के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है और फोन पर धमकी देने वाले सरपंच के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है । देखना अब यह होगा कि इस दबंगई सरपंच और सचिव के खिलाफ कब तक कार्यवाही की जाएगी या फिर मामले को दबा दिया जाएगा ।

कोचिंग संस्थानों के आसपास छात्राओं की सुरक्षा की मांग, अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद-राष्ट्रीय बजरंग दल ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल, महाकौशल प्रांत द्वारा शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों के आसपास छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की मांग को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक सिवनी को ज्ञापन सौंपा गया।

हरिभूमि न्यूज ॥सिवनी।

ज्ञापन में बताया गया कि जिला मुख्यालय सिवनी के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययन के लिए पहुंचते हैं। संगठन का कहना है कि कुछ स्थानों पर असामाजिक



तत्वों द्वारा छात्राओं पर अभद्र टिप्पणियां करना, उनका पीछा करना तथा अनावश्यक रूप से कोचिंग संस्थानों के आसपास मंडराकर भय का वातावरण निर्मित किया जा रहा है। ऐसी घटनाओं से छात्राओं एवं उनके अभिभावकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। संगठन ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि कोचिंग संस्थानों के आसपास नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, संदिग्ध एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा

राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार हेतु 10 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन

शासन के आदेशानुसार राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन, नामांकन एवं चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

हरिभूमि न्यूज ॥सिवनी।

स्कूल शिक्षा विभाग के विमर्श पोर्टल पर 10 अगस्त 2026 तक आवेदन, नामांकन तथा शिक्षकों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों एवं पिछले पांच वर्षों के सत्यापित परीक्षा परिणाम अपलोड किए जा सकेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित ने बताया कि शासकीय, शिक्षक, शैक्षिक

स्थानीय निकाय, अनुदान प्राप्त, प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी तथा माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित मांडल विद्यालयों में कार्यरत नियमित शिक्षक आवेदन के पात्र होंगे। आवेदन के लिए शिक्षक की न्यूनतम 10 वर्ष की शिक्षकीय सेवा, एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर कम से कम 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस तथा निर्धारित परीक्षा परिणाम की पात्रता अनिवार्य है। कक्षा 9 से 12 में पिछले पांच वर्षों में पढ़ाई गई कक्षाओं का परिणाम न्यूनतम 80 प्रतिशत तथा कक्षा 1 से 8 में 80 प्रतिशत विद्यार्थियों का ए ग्रेड होना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त शिक्षक, शैक्षिक

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को लेकर उद्योग संगठनों एवं स्टार्टअप्स के साथ बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ॥सिवनी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास-2026 अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सिवनी द्वारा उद्योग संगठनों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों के साथ महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र आर.एस. उईके की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। अभियान के अंतर्गत 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक जन संवाद के माध्यम से आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ उद्योगों की समस्याओं, उनके समाधान तथा मुख्यमंत्री जन विश्वास-2026 अभियान के सफल संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही

उद्योग एवं व्यापार से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक सुझाव भी प्राप्त किए गए। बैठक में लघु उद्योग भारती सिवनी के अध्यक्ष निरंजन अरोरिया, बराफा संघ सिवनी के अध्यक्ष आदित्य भूरा, डिव्को सिवनी के अध्यक्ष नरेन्द्र धुर्वे, चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स सिवनी के सदस्य सुदर्शन बाइल एवं सुनील नाह, लघु उद्योग निर्माता एवं विक्रेता संघ सिवनी के सचिव अरविंद सिंह राजपूत, सुमित जैन, सिद्धार्थ जैन, स्टार्टअप प्रतिनिधि श्रीमती संगीता कटरे, प्रत्युष नेमा तथा श्री कुलदीप जायसवाल सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में अभियान के दौरान उद्योग एवं व्यापार जगत से संबंधित समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए समन्वित प्रयास करने पर सहमति व्यक्त की गई।



निगरानी सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद-राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष रोहित सक्सेना के नेतृत्व में सौंपा गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी की जिला अध्यक्ष सीमा गढ़पायले, अधिवक्ता मंच के जिला अध्यक्ष श्रीराम बघेल, उपाध्यक्ष आशीष सोलंकी, अरुण कुमरे, आशा मेश्राम, आस्था गौतम, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख शरद दुबे एवं राकेश मावलीय, अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिला उपाध्यक्ष अमन बघेल, जिला मंत्री शुभम बघेल एवं विक्रम

बघेल, ओजस्विनी की जिला मंत्री वर्षा डोंगरे, जिला सह मंत्री किरण सतसेई, सह मंत्री महेंद्र बघेल, सिद्धांत बघेल, हर्षित बघेल, अभिषेक बघेल, योगेश सोनी, कृष्ण कुमार, सविता राहंगाड़ाले, संगीता यादव, रश्मि चौहान, रीता गौतम, अंजलि बरमेया, अनीता नागवंशी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि छात्राओं की सुरक्षा के संबंध में शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

अनुसूचित जाति वर्ग के युवकों के लिए स्वरोजगार के लिए आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के युवक-युवतियों को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, भोपाल के माध्यम से संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले को दोनो योजनाओं में कुल 81 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसमें संत रविदास स्वरोजगार योजना के 23 तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना के 58 हितग्राही शामिल हैं।

अनुसूचित जाति वर्ग के युवकों के लिए स्वरोजगार के लिए आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के युवक-युवतियों को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, भोपाल के माध्यम से संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले को दोनो योजनाओं में कुल 81 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसमें संत रविदास स्वरोजगार योजना के 23 तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना के 58 हितग्राही शामिल हैं।

अनुसूचित जाति वर्ग के युवकों के लिए आवेदन आमंत्रित
हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मोना के निर्देशन में ग्राम पंचायत जोगीवाड़ा अंतर्गत वन विस्थापन प्रक्रिया के तहत न्यू कर्माझिरी में पुनर्वासित परिवारों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उपस्थित होकर वन विस्थापित परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों के आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ की। शिविर के दौरान लखौली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, श्रमिक पंजीयन, जाति प्रमाण पत्र, बिजली मीटर शिफ्टिंग, राशन पर्वी सहित अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही लगभग 70 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के लिए चिह्नित कर उनके दस्तावेज प्राप्त किए गए, ताकि पात्रता अनुसार उन्हें शीघ्र लाभ उपलब्ध करया जा सके। शिविर का उद्देश्य वन विस्थापित परिवारों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना तथा योजनाओं का लाभ समझाव्य तरीके से उपस्थित करना रहा। शिविर में पेच टाईगर रिजर्व के सहायक संचालक अतुल रावली, तबस्वीलाल एवं कार्यालिक मजिस्ट्रेट कुरई सोनम पाण्डे, जनपद पंचायत कुरई की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग रावल, सीडीपीओ नेहा ठाकुर सहित स्वास्थ्य, उद्यानिकी, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई), जनजातीय कार्य विभाग एवं अन्य विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी विभागों ने अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित योजनाओं एवं प्रक्रियाओं की जानकारी देकर हितग्राहियों का मार्गदर्शन किया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य एवं ग्राम पंचायत जोगीवाड़ा के सरपंच सहित जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने वन विस्थापित परिवारों को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन के इस समन्वित प्रयास की सराहना की। शिविर के माध्यम से पुनर्वासित परिवारों को शासन की योजनाओं से जोड़ने, उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा पुनर्वास प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।



बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने प्रशासन को सौंपा ज़ापन 7 अगस्त की रात से थम जाएंगे बसों के पहिए

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने बुधवार को प्रशासन को सात सूत्रीय मांगों का ज़ापन सौंपा। ऑपरेटर्स ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 7 अगस्त की रात से बसों का संचालन बंद कर दिया जाएगा।

उनकी प्रमुख मांगों में बसों का राष्ट्रीयकरण रोकने, रॉयल्टी का विरोध करने और यात्री किराए में वृद्धि करना शामिल है। ऑपरेटर्स का कहना है कि सरकार 7 जुलाई 2026 के राजपत्र के माध्यम से बसों का राष्ट्रीयकरण कर बस व्यवसाय को समाप्त करने की दिशा में बढ़ रही है, जिसे वापस लिया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा



6 जुलाई को टेंडर के माध्यम से बसों की रॉयल्टी लेने की तैयारी का भी विरोध किया गया है। ऑपरेटर्स ने 2021 के बाद यात्री किराए का निर्धारण न होने पर चिंता व्यक्त की, जबकि डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। उन्होंने 2.50 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से किराया बढ़ाने की मांग की है।

अन्य मांगों में नवीन यात्री वाहनों का पंजीयन, 15 साल बाद बसों का संचालन बंद करने के निर्णय को वापस लेना (फिटनेस रहने तक संचालन की अनुमति), परमिटों का नवीनीकरण, अस्थायी परमिटों की स्वीकृति जारी रखना और परिवहन कार्यालय के अधिकारियों की कार्यशैली में

सुधार शामिल है। बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश चौहान ने बताया कि सरकार बस ऑपरेटर्स की मांगों को सुनने के लिए तैयार नहीं है। इसी कारण एसोसिएशन ने 7 अगस्त की रात से बसों का संचालन बंद करने का फैसला लिया है।

आज से शुरू होगा आला हजरत का 108 वां सालाना उर्स

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

पूरी दुनिया को इस्लाम धर्म की मूल विचारधारा सूफीवाद की पहचान कराने वाले, विश्व प्रसिद्ध धर्मगुरु और महान सूफी संत इमाम अहमद रजा खान आला हजरत के तीसरे दिवसीय 108 वां सालाना उर्स की शुरुआत आज 6 अगस्त से होगी। जिसका समापन आगामी 8 अगस्त को कुल की फातिया के साथ होगा। उर्स को पूरी अकौदत के साथ पूरे भारत सहित जिले में मनाया जाएगा।

ज्ञात हो कि अहले सुन्नत के मुख्यालय बरेली शरीफ से तारीख का ऐलान होने के बाद 6 अगस्त को भारत के ग्रैंड मुफ्ती असजद रजा खान कादरी द्वारा परचम कुशाई के साथ उर्स कार्यक्रमो की शुरुआत की जाएगी।

इसी कड़ी में बालाघाट मुख्यालय में जामा मस्जिद के अलावा अन्य मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में 8 अगस्त शनिवार को दोपहर 2.38 बजे कुल की विशेष फातिया के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम और लंगर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रजा एखसान कमेटी के प्रदेश



अल दौलतुल मुककीया और 'फतावा रज्जिया' जैसी लगभग 13 सौ अधिक किताबों के अलावा कुरआन का अनुवाद कंजुल ईमान के रूप में देकर पूरी दुनिया को अल्लाह और उसके रसूल की पहचान कराते हुए इस्लाम के अमन एवं शांति के संदेश को सही रूप में साबित किया।

श्री खान बताते हैं कि आला हजरत ने 17 दिसंबर 1920 को जमात रजा-ए-मुस्तफा नाम से संगठन का गठन किया गया था। जिसके माध्यम से समाज को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना था। आज ज़रूरत है कि संगठन से जुड़कर हम सामाजिक प्रगति के लिए कार्य करें। इसलिए हम सभी मसलके आला हजरत के मानने वालों को बरेली शरीफ से जुड़कर काम करने की ज़रूरत हैं।

गोरेघाट में वन विभाग ने जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ की बैठक बाघ दिखाई देने के बाद सतर्क हुआ विभाग

हरिभूमि न्यूज कटंगी। जिला मुख्यालय से करीब 80 किमी दूर कान्हा नेशनल पार्क की खपा रेंज अंतर्गत परीपुर बैगाटोला गांव में बीते दिनों हुई बाघ के हमले की घटना के बाद पूरे जिले में वन विभाग सतर्क हो गया है। झोपड़ी के भीतर सो रही सुगनी बाई धुवे पर हमला कर जान ले लेने वाली बाघिन टी-27 को वन विभाग की टीम ने सफल रेस्क्यू कर भोपाल भेज दिया है। लेकिन इससे पहले 31 जुलाई को कटंगी वन परिक्षेत्र के पठार अंचल में बड़पानी से गोरेघाट के बीच बाघ को सड़क पर खुलेआम विचरण करते देखे जाने के बाद ग्रामीणों का डर और बढ़ गया है। जिसके चलते 04 अगस्त की दोपहर साढ़े 3 बजे वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबुलाल चढ़ार ने ग्राम पंचायत गोरेघाट में पठार अंचल की तमाम ग्राम पंचायतों के सरपंचों और ग्रामीणों की आपात बैठक बुलाई। बैठक का मकसद था - बाघ के हमलों से बचाव, सतर्कता और वन-मानव संघर्ष को कम करना। परीपुर की घटना से पहले ही 31 जुलाई को कटंगी वन परिक्षेत्र के पठार अंचल में बड़पानी से गोरेघाट मार्ग पर एक बाघ को दिन में सड़क पर चलते हुए देखा गया। ग्रामीणों ने वीडियो भी बनाए और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। बाघ के खुले में आने से किसान, मजदूर और स्कूली बच्चे दहशत में आ गए। कई गांवों में लोग खेत जाना बंद कर चुके हैं।

पठार अंचल पहले भी बाघ के हमलों के कारण चर्चा में रहा है। यहां जनहानि की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिसके बाद वन विभाग को ग्रामीणों के आक्रोश का



सामना करना पड़ा था। इन्हीं घटनाओं से सबक लेते हुए 04 अगस्त को वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबुलाल चढ़ार ने गोरेघाट पंचायत भवन में बैठक की। इसमें पठार अंचल के दर्जनों सरपंच, पंच, वन समिति सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में सरपंचों ने साफ कहा कि बाघ दिखाई देने के बाद से सामान्य जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। किसान सुबह-शाम खेतों में जाने से डर रहे हैं। जिससे कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। छोटे बच्चे अकेले स्कूल नहीं जा पा रहे। अभिभावक उन्हें छोड़ने जाते हैं। मजदूरी और पशु चराने वाले लोग शाम होते ही घरों में कैद हो गए हैं। सरपंचों ने मांग की कि गांव के आसपास गश्त बढ़ाई जाए। ग्रामीणों की बात सुनने के बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबुलाल चढ़ार ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जंगल से लगे खेतों में आसानी से भोजन और पानी मिलने की वजह से वन्य प्राणी आबादी के पास बसाहट बना लेते हैं। इसे रोकना सबसे ज़रूरी है।

बैठक में बाघ के हमले से बचाव के लिए तमाम बिंदुओं पर चर्चा हुई और ग्रामीणों से कहा गया कि वह सुबह 5 बजे से पहले और शाम 6 बजे के बाद जंगल, खेत या सुस्तान रास्तों पर अकेले न जाएं। बच्चों को स्कूल समूह में भेजें। महिलाओं को लकड़ी, पत्ती बीनने अकेले न जाने दें। शराब पीकर जंगल में न जाएं और न ही तेज आवाज में म्यूजिक बजाएं।

नहर में एक अज्ञात युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। ग्राम डोंगरगांव की बड़ी नहर में एक अज्ञात युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। ग्राम मंगेझरी निवासी नूपचंद टेंभरे ने बताया कि सुबह लगभग साढ़े 9 बजे ग्रामीणों ने आलेझरी की ओर से बड़ी नहर में एक युवती को बहते हुए देखा। जब तक ग्रामीण उसे निकालने का प्रयास करते, वह डोंगरगांव की ओर बह गई। जिसकी जानकारी मिलने पर ग्राम डोंगरगांव में नहर की पुलिया के पास कुछ ग्रामीणों की मदद से युवती के मृत शरीर को बाहर निकाला गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारियों भी स्थल पर पहुंच गई थी। पुलिस ने एफ एस एल की टीम बालाघाट से बुला कर शव का परीक्षण भी करवाया है। युवती ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या की गई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। वैसे पुलिस ने प्रारंभिक कार्यवाही कर शव को शासकीय चिकित्सालय वारासिवनी पहुंचाया और मृतिका युवती की पहचान की खोजबीन

प्रारंभ की। शीघ्र ही पुलिस को जानकारी मिली कि मृतिका युवती ग्राम खमरिया की रहने वाली खुशबू पिता शंकर लाल डहरवाल 24 वर्ष है। वह अपने माता - बहन व भाई के



साथ नागपुर में रहती थी। पिछले 3 दिनों से वह नागपुर से गायब थी और उसके परिजन उसे ढूंढ रहे थे। बुधवार को उसका शव डोंगरगांव में नहर में मिलने से उसके परिवार पर वज्रपात हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर खमरिया निवासी उसके चाचा वीरह घटना स्थल पर पहुंचे। वही उसके बहन भाई व मां नागपुर से वारासिवनी आए हैं। फिलहाल पुलिस द्वारा युवती की मृत्यु का कारण जानने का प्रयास कर रही है।

09 से 17 अगस्त तक चलेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान, बालाघाट में तैयारियां शुरू

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश शासन द्वारा 09 से 17 अगस्त 2026 तक जनसहभागिता के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान संचालित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान को विशेष रूप से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उत्सव से भी जोड़ा गया है। अभियान के सफल आयोजन को लेकर कलेक्टर कुमार सत्यम ने जिले के सभी संबंधित

स्थानीय स्व-सहायता समूहों तथा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से खादी एवं पॉलिएस्टर से निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहरा सकें। 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत जिले में तिरंगा थीम पर प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता, बुनाई प्रदर्शन, मेले, देशभक्ति कंसर्ट, ई-बाइक एवं साइकिल रैली, तिरंगा यात्रा, राष्ट्रीय ध्वज बिक्री, तिरंगा एंथम,

तिरंगा प्रश्नोत्तरी तथा तिरंगे के लिए स्वयंसेवा अभियान जैसी विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर कुमार सत्यम ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रत्येक घर पर राष्ट्रध्वज फहराने के साथ देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचे।

पीएम किसान योजना का लाभ जारी रखने के लिए वार्षिक ई-केवाईसी अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत जिले के सभी पंजीकृत किसानों के लिए प्रतिवर्ष ई-केवाईसी (PMKISAN EKYC) कराना अनिवार्य कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय पर ई-केवाईसी नहीं कराने पर किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की आगामी

किस्त प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पीएम-किसान ई-केवाईसी, आधार से लिंक बैंक खाते का डीबीटी सक्षम होना तथा फार्मर आईडी सहित अन्य आवश्यक

औपचारिकताएं पूरी होना ज़रूरी है। आयुक्त, भू-संसाधन प्रबंधन, ग्वालियर के निर्देशानुसार जिले के लगभग 3.42 लाख पंजीकृत किसानों के लिए बायोमेट्रिक अथवा फेस ऑर्थेंटिकेशन के माध्यम से प्रतिवर्ष ई-केवाईसी अनिवार्य की गई है। किसान अपनी ई-केवाईसी ग्राम के पटवारी से PMKISAN App के माध्यम से, निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) पर बायोमेट्रिक सत्यापन

कराकर अथवा PMKISAN Application में लाभार्थी लॉगिन के जरिए स्वयं भी कर सकते हैं।

जिला प्रशासन ने सभी पात्र किसानों से अपील की है कि वे बिना विलंब अपनी पीएम-किसान ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की आगामी किस्तों का लाभ बिना किसी बाधा के मिलता रहे।

राजस्व कामकाज टप, 5 सूत्रीय मांगों को लेकर 3 अगस्त से शुरू हुई हड़ताल पटवारियों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

हरिभूमि न्यूज कटंगी। मध्य प्रदेश पटवारी संघ के बैनर तले 03 अगस्त से शुरू प्रदेशव्यापी काम बंद हड़ताल के तीसरे दिन 05 अगस्त से कटंगी और तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के पटवारियों ने भी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। पटवारियों की हड़ताल के कारण राजस्व से जुड़े तमाम कामकाज प्रभावित हो रहे हैं और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को कटंगी में पटवारियों ने पटवारी कार्यालय के समक्ष हड़ताल पर बैठकर जमकर नारेबाजी की। पटवारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, यह आंदोलन जारी रहेगा। पटवारियों के द्वारा

कैडर रिव्यू लागू कर पदोन्नति और समयमान, वेतनमान दिए जाने, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा आयोजित किए जाने, जज प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारियों को शामिल किए जाने, वित्तीय लंबित भुगतान तुरंत किए जाने और मध्य प्रदेश पटवारी संघ भोपाल के पदाधिकारियों के नियम विरुद्ध स्थानांतरण निरस्त करने की मांग उठाई है। दरअसल, राजस्व विभाग में पटवारी का ओहदा महज एक कर्मचारी का नहीं बल्कि यह राजस्व की रीढ़ है। इनके हड़ताल पर चले जाने से जमीन से जुड़ा लगभग हर काम परोक्ष रूप से सीधे रूका हुआ है। जनता के आय, जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र के काम तक अटक रहे हैं। अगर, लंबे समय से पटवारी अपनी हड़ताल पर डटे रहे तो कई अन्य लोगों का जीवन बर्बाद हो सकता है। कटंगी और तिरोड़ी तहसील क्षेत्र में कुल 60 पटवारी सेवारत हैं। पटवारी संघ का आरोप है कि शासन द्वारा तैयार कैडर रिव्यू का प्रस्ताव वर्षों से शासन स्तर पर लंबित है। प्रदेश में सभी कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी हो रहे हैं, लेकिन पटवारी



संवर्ग को जानबूझकर वंचित रखा गया है। संघ ने मांग की कि कैडर रिव्यू लागू न होने तक पदोन्नति का लाभ दिया जाए। साथ ही पदोन्नति से वंचित पटवारियों को पदोन्नति पद के सापेक्ष समयमान वेतनमान का लाभ तुरंत दिया जाए। पटवारियों के लिए विभागीय परीक्षा पिछले 25 वर्षों में सिर्फ एक बार 2018 में हुई है। उसके बाद आज तक परीक्षा आयोजित नहीं हुई। संघ ने मांग की कि विभाग में शामिल विषयों को ही सिलेबस का आधार मानकर शीघ्र परीक्षा कराई जाए। संघ का कहना है कि वसीयत और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों में पटवारी केवल प्रतिवेदनकर्ता होता है। गुण-दोष की जांच और आदेश तहसीलदार-नायब तहसीलदार करते हैं। इसके बावजूद कुल मामलों में पटवारियों पर सीधे एफआईआर दर्ज की जा रही है। इसे गलत बताते हुए मांग की गई कि तहसीलदार और नायब तहसीलदार की तरह पटवारियों को भी जज प्रोटेक्शन एक्ट में शामिल किया जाए।

पटवारियों ने आरोप लगाया कि स्वाभिव्य योजना, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना, फार्मर आईडी कैंप सहित कई शासकीय कार्यों को उन्होंने अपने खर्च पर पूरा किया है। लेकिन

कई जिलों में वर्षों से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। संघ ने चेतावनी दी कि यदि लंबित भुगतान नहीं हुआ तो पटवारी आगामी योजनाओं के कार्यों का बहिष्कार करेंगे। वहीं मध्य प्रदेश पटवारी संघ भोपाल शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन है। शासन की स्थानांतरण नीति 2026 के क्रमांक 35 के अनुसार पदाधिकारियों को स्थानांतरण में हट्ट है। बावजूद इसके कर्मचारी हितों के लिए संघर्ष करने के कारण जिला अधिकारियों द्वारा पदाधिकारियों का नीति विरुद्ध स्थानांतरण किया गया है। संघ ने कलेक्टर से मांग की कि ऐसे स्थानांतरण तुरंत निरस्त किए जाएं और कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए परामर्शदात्री समिति की नियमित बैठकें आयोजित की जाएं।

सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम-

पटवारी संघ ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि संघ के पदाधिकारियों को बुलाकर 5 सूत्रीय मांगों का निराकरण किया जाए। संघ ने साफ कहा है कि यदि आगामी 7 दिनों में मांगें नहीं मानी गईं तो मध्य प्रदेश पटवारी संघ भोपाल के आह्वान पर प्रदेशभर के पटवारी 15 जुलाई 2026 से 17 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय सांकेतिक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इसके बाद चरणबद्ध आंदोलन और तेज किया जाएगा। संघ ने कहा कि आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। फिलहाल शासन या जिला प्रशासन ने मामले में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन हड़ताल लंबी खिंचने से राजस्व व्यवस्था पर संकट गहराता जा रहा है।

विद्यार्थियों की सुविधा बनी प्राथमिकता, कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देश पर बुदबुदा-नदीटोला पुल की एप्रोच रोड तैयार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। वारासिवनी तहसील के अंतर्गत बुदबुदा और नदीटोला के बीच कासनाला पर निर्माणाधीन पुल की एप्रोच रोड नहीं होने से ग्रामीणों, विशेषकर छात्र-छात्राओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मामला मीडिया के माध्यम से सामने आने पर कलेक्टर कुमार सत्यम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के अधिकारियों को एप्रोच रोड तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुल के दोनों ओर अस्थायी एप्रोच रोड तैयार कर दी है, जिससे विद्यार्थियों का आवागमन शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग द्वारा कासनाला पर पुल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है, लेकिन एप्रोच रोड के अभाव में पुल का उपयोग नहीं हो पा रहा था। इससे आसपास के ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कलेक्टर कुमार सत्यम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ को तत्काल एप्रोच रोड



तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों और ग्रामीणों की समस्या का शीघ्र समाधान हो सके। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सनोडिया ने बताया कि पुल की एप्रोच रोड का कार्य फिलहाल अर्धवर्क स्तर तक पूरा किया गया है। वर्तमान में वर्षा ऋतु को देखते हुए स्थायी निर्माण संभव नहीं है। बारिश समाप्त होने के बाद एप्रोच रोड का सीमेंट-कांक्रिट (सीसी) निर्माण कराया जाएगा और इसके बाद पुल को विधिवत सामान्य यातायात के लिए शुरू किया जाएगा।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट

ENGINEERING | PHARMACY | AGRICULTURE

ADMISSION OPEN 2026-27

POLYTECHNIC

- B.TECH | M.TECH

D. PHARMACY

- B. PHARMACY
- M. PHARMACY

B.Sc. (Hons.) Ag.

- B.Tech (Agri) Engg.
- M.Sc. (Ag.)

LAW

- B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.

कर्मकृति

- SC/ST/0BC

कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.) | (91764192111, 91764202111